कारोबार (व्यापार)

संपादक- मौलाना जलील अहसन नदवी रह.

राहे अमल हिन्दी.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

1] रसूलुल्लाहﷺ से पूछा गया- ऐ अल्लाह के रसूल! सब से ज्यादा अच्छी कमाई कौन सी हे? आपﷺ ने फरमाया आदमी का अपने हाथ से काम करना, और वो कारोबार जिसमे वेपारी बेईमानी और झूठ से काम नहीं लेता.

_मिस्कात; अन राफे बिन खदीज रदी, रिवायत का खुलासा.

2] रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया- उस शख्स पर अल्लाह रहम फरमाये जो नरमी और अच्छा बरताव करता हे खरीदने मे और बेचने मे और अपना कर्ज मांगने मे.

_बुखारी; अन जाबिर रदी, रिवायत का खुलासा.

3] कारोबार जाहिर में एक दुनियादारी काम हे लेकिन अगर इसे सच्चाई और ईमानदारी के साथ किया जाये तो इबादत बन जाती हे और ऐसे वेपारी को अल्लाह के पाक बन्दों यानि अम्बिया अल और सच्चो और अल्लाह की राह में शहीद होने

वालो का साथ नसीब होगा. सिद्दीकों से मुराद वो मोमिन हे जिस की जिन्दगी सच्चाई मे गुजरी हो, जिस ने अल्लाह और रसूल से किये हुवे वादे को जिन्दगी भर निबाहा हो जिस की जिन्दगी मे कहने और करने मे फर्क न हो.

_तिर्मिजी; अन अबू सईद खुदरी रदी, रिवायत का खुलासा.

4] रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया वेपारी लोग कयामत के दिन बदकार की हेसियत से उठाया जायेंगा, उन वेपारी के अलावा जिन्हों ने अपने कारोबार मे अल्लाह की नाफरमानी से बचे रहे और नेकी का काम अपनाया यानी लोगों को पूरा हक दिया और सच्चाई के साथ मामला किया.

_तिर्मिजी; रिवायत का खुलासा.

5] रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया की वेपारी अगर ग्राहक को कीमत वगैरा के बारे में कसम के जरिये यकीन दिलाये की उसकी यही कीमत हे और ये माल बहुत अच्छा हे तो वकती तौर पर तो हो सकता हे कुछ ग्राहक धोका खा जाये और खरीद ले लेकिन जब उनपर बाद में हकीकत खुलेगी तो

फिर कभी वो उस दुकान का रूख नहीं करेंगे और इस तरह इस वेपारी का कारोबार थप हो कर रह जायेगा.

_मुस्लिम; अन अबू कतादा रदी, रिवायत का खुलासा.

6] रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया की तीन किस्म के लोग ऐसे हे की जिनसे अल्लाह कयामत के दिन न तो बात करेगा और न उनकी तरफ देखेगा और न उनको पाक कर के जन्नत मे दाखिल करेगा बल्कि उनको बडा अजाब देगा. हजरत अबूजर गफ्फारी रदी, ने पूछा ऐ अल्लाह के रसूल! ये नाकाम व नामुराद लोग कौन हे? आपﷺ ने फरमाया एक वो शख्स जो घमंड और तकब्बुर की वजह से अपने तहबन्द को टखनों से नीचे तक लटकाता हे. दूसरा वो शख्स जो एहसान जताता हे. तीसरा वो शख्स जो झूठी कसम के जरिये अपने कारोबार मे तरक्की करता हे.

_मुस्लिम; अन अबू जर गफ्फारी रदी, रिवायत का खुलासा.

7] कारोबार में ऐसा बहुत होता हे की आदमी अनजाने में भी गलत काम कर जाता हे और कभी झूठी कसम खा लेता हे

इसलिए वेपारियो को चाहिये की वो खास तौर से अल्लाह के रस्ते में सदका किया करे ताकि ये चीज उनकी गलतियों और कमियों को पूरा करे.

_अबू दाऊद; अन हजरत कैस रदी, व अबू गरजा रदी, रिवायत का खुलासा.

8] अगर नाप और तौल मे तुम ने गलत तरीके अपनाये यानी लेने के मापदंड और बनाये और देने के और, तो ये तुम्हारी तबाही का सब्ब होगा और पूरी कौम की तबाही का सब्ब होगा. कुरान मजीद मे उन कौमों का हाल बयान हुवा हे जिनका पेशा कारोबार था और जो नाप तौल मे कमी करती थीं, उनको सही बात बताई गई लेकिन वो ना मानीं और आखिर मे वो तबाह हो गई.

_तिर्मिजी; अन इबने अब्बास रदी, रिवायत का खुलासा.

9] रसूलुल्लाहﷺ ने वेपारी को हिदायत दी की वो बेचते वकत अपनी चीझ के ऐब खरीदार के सामने रख दे, इसी तरह दुकान पर कोई ऐसा आदमी खडा हे जो उस चीझ के ऐब को जानता हे तो उसको चाहिये की खरीदार को साफ

साफ बता दे. हुजुरﷺ एक वेपारी के पास से गुजरे वो गल्ला बेच रहा था, आपﷺ ने अपना हाथ गल्ला के अन्दर डाला, अन्दर का हिस्सा पानी से भीगा हुवा था, आपﷺ ने पूछा ये क्या? उसने कहा हुजुरﷺ बारिश से भीग गया हे, आपﷺ ने कहा फिर इसे उपर क्यों नहीं रखा? फिर आपﷺ ने फरमाया जो लोग हम से धोका करें वो हम मे से नहीं हे.

_मुन्तका वासिला; रिवायत का खुलासा.

10] रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया की कितना बुरा हे जरूरत की चिझों को रोकने वाला आदमी, अगर अल्लाह चिझों की कीमत को सस्ता करता हे तो उसे गम होता हे और जब कीमतें चढ जाती हे तो खुश होता हे.

_मिश्कात; अन मुआज रदी, रिवायत का खुलासा.

11] एहतिकार का मतलब हे जरूरत की चिझों को रोक लेना और बाजार मे न लाना, और कीमतों के खूब चढने का इन्तेजार करना और जब कीमतें चढ जायें तो माल को बाहर निकालना और खूब पैसा वसूल करना, ये जेहन वेपारियो का

होता हे इस लिये रसूलुल्लाहﷺ ने ऐसा करने से रोका क्योंकि ये जेहन आदमी को संगदिल और बेरहम बना देती हे और इस्लाम इन्सानों के साथ रहमत व मुहब्बत का मामला करने की तालीम देता हे. कुछ आलिमों की राय हे की एहतिकार जिस से रोका गया हे सिर्फ गल्ला के लिये खास हे और दूसरी चिझों को अगर वेपारी बाजार मे नहीं लाते तो वो इस बात मे शामिल नहीं हे. इसके मुकाबले मे दूसरे गिरोह का खयाल हे की ये सिर्फ गल्ला के साथ खास नहीं हे, बल्कि जरूरत की तमाम चिझों को इस निय्यत से रोकने वाला गुनहगार होगा और इस धमकी मे शामिल हे. अजीज के नजदीक दूसरे गिरोह की राय ज्यादा वजनी मालूम होती हे, और इल्म तो सिर्फ अल्लाह के पास हे.

_सुनन इबने माजा; रिवायत का खुलासा.